दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काज़ी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-३१२ वा | शुक्रवार १३ जून २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रुपये | पन्ने - ४

विमान हादसे में पंढरपुर के दंपति सहित महाराष्ट्र के ४ क्रू मेंबर्स की दर्दनाक मौत

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई। १२ जून

अहमदाबाद - अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे में जान गंवाने वाले २४१ यात्रियों में महाराष्ट्र के सोलापुर ज़िले के सांगोला तालुका के एक दंपति और एयर इंडिया के ४ क्रू मेंबर्स शामिल हैं। इस हृदयविदारक दुर्घटना से उनके परिजनों, मित्रों और स्थानीय इलाकों में शोक की लहर दौड़ गई है।

सोलापुर ज़िले के सांगोला तालुका स्थित हातीद गांव के मूल निवासी महादेव तुकाराम पवार (उम्र ६७) और उनकी पत्नी आशा महादेव पवार (उम्र ५५) लंदन में रहने वाले अपने बेटे से मिलने के लिए यात्रा कर रहे थे।

हादसे में मारे गए महाराष्ट्र के चार क्रू सदस्यों में शामिल हैं:

मुख्य पायलट सुमित पुष्कराज सभ्रवाल (पवई निवासी)

अपर्णा महाडिक (खा. सुनील तटकरे के भतीजे की पत्नी)

दीपक पाठक (बदलापुर निवासी)

रोशनी सोनघरे (डोंबिवली निवासी)

ये सभी अत्यंत शिक्षित और अनुभवी कर्मचारी माने जाते थे।

कैसे हुआ हादसा?

एयर इंडिया का यह विमान १२ क्रू मेंबर्स और २४२ यात्रियों को लेकर रवाना हुआ था, लेकिन हादसे में २४१ लोगों की मौत हो गई। सौभाग्य से विमान की ११-- सीट पर बैठे एक यात्री की जान बच गई।

पंढरपुर के दंपति की अंतिम यात्रा

महादेव और आशा पवार अपने लंदन में बसे बेटे से मिलने के लिए जा रहे थे। अहमदाबाद में उनका एक बेटा बेकरी का व्यवसाय करता है, वहीं दूसरा बेटा लंदन में रहता है। महादेव पवार पहले नडीयाद की एक कपड़ा मिल में काम करते थे और अब सेवानिवृत्त हो चुके थे। पंद्रह दिन पहले ही वे अपने मूल गांव हातीद आए थे। उनके परिवार में तीन भाई, एक बेटी और दो बेटे हैं।

बदलापुर निवासी दीपक पाठक की आखिरी बातचीत

क्रू मेंबर दीपक पाठक ने उड़ान से कुछ घंटे पहले अपनी मां से फोन पर बात की थी। हादसे की खबर मिलते ही बदलापुर स्थित उनके घर पर भीड़ जमा हो गई। उनकी बहन ने बताया कि अब फोन तो लगता है, लेकिन वह उसे उठा नहीं रहे। दीपक की शादी चार साल पहले हुई थी।

डोंबिवली की रोशनी सोनघरे भी हादसे की शिकार डोंबिवली निवासी रोशनी सोनघरे एयर इंडिया की इस फ्लाइट में क्रू मेंबर थीं और हादसे में उनका भी दर्दनाक अंत हुआ।

पवई निवासी सुमित सभ्रवाल का निधन

मुख्य पायलट सुमित सभ्रवाल पवई की जलवायु विहार इमारत में अपने पिता के साथ रहते थे। हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय विधायक दिलीप लांडे उनके घर पहुंचे और परिवार को सांत्वना दी। अपर्णा महाडिक: सुनील तटकरे की रिश्तेदार अपर्णा महाडिक, क्रू मेंबर, राष्ट्रवादी काँग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद सुनील तटकरे के भतीजे अमोल महाडिक की पत्नी थीं। अमोल खुद भी एयर इंडिया में पायलट हैं। हादसे की खबर मिलते ही सुनील तटकरे और मंत्री योगेश कदम भी उनके परिवार से मिलने पहुंचे। मंत्री योगेश कदम ने जताया शोक मंत्री योगेश कदम ने कहा, महाडिक परिवार हमारे करीबी हैं। यह बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। हम उनके शोक में सहभागी हैं और उन्हें व्यक्तिगत रूप से सांत्वना देने जाएंगे।

विशेष संपादकीय

हवा में हादसा, ज़मीन पर मातम: अहमदाबाद विमान दुर्घटना और हमारी सुरक्षा प्रणाली पर सवाल

१२ जून २०२५ का दिन भारतीय नागरिक उड्डयन के इतिहास में एक काला दिन बनकर दर्ज हो गया। एयर इंडिया की फ्लाइट -ख-१७१, जो अहमदाबाद से लंदन के लिए रवाना हुई थी, उड़ान भरने के महज़ तीस सेकंड बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह महज़ एक विमान हादसा नहीं था, बल्कि एक राष्ट्रीय आपदा थी, जिसमें २९० से अधिक लोग मारे गए - जिनमें यात्री, विमान चालक दल और ज़मीन पर मौजूद मेडिकल कॉलेज की छात्राएं शामिल थीं।

टेकऑफ़ के तुरंत बाद विमान में जोरदार धमाके की आवाज़ आई। प्रत्यक्षदर्शियों और तकनीकी रिपोर्ट्स के अनुसार, लैंडिंग गियर लॉक रह गया था, और विमान हवा में ही असंतुलित होकर ज़मीन पर आ गिरा। सबसे दर्दनाक पहलू यह रहा कि विमान का मलबा अहमदाबाद के बी.जे. मेडिकल कॉलेज की महिला हॉस्टल इमारत पर जा गिरा, जहाँ उस समय ८० से अधिक छात्राएं मौजूद थीं। इस हादसे में ३० से अधिक छात्राओं की जान गई, और कई गंभीर रूप से झुलस गईं।

इस भयावह हादसे का एकमात्र जीवित गवाह बना ब्रिटिश नागरिक रमेश कुमार, जो विमान की सीट ११- पर बैठा था। उसने बताया कि विमान के भीतर तेज़ झटका महसूस हुआ और अचानक सब कुछ धुंए और चीखों में बदल गया। वह खुद किसी तरह बाहर गिर पड़ा और उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी गवाही ने साफ कर दिया है कि हादसा अचानक नहीं था, बल्कि यह तकनीकी और प्रबंधन की चूक का नतीजा था।

इस हादसे ने कई गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। क्या विमान का तकनीकी निरीक्षण ठीक से हुआ था? क्या उड़ान से पहले सभी सुरक्षा मानकों की जांच की गई थी? और सबसे बड़ा सवाल - क्या भारत में नागरिक उड्डयन सुरक्षा प्राथमिकता में है, या अब भी मुनाफा पहले और जान बाद में आती है?

सरकार ने उच्चस्तरीय जांच के आदेश ज़रूर दिए हैं। उ‍ऋउ-, अमेरिकी छ्ढड्ड और बोइंग जैसी एजेंसियां शामिल की गई हैं। लेकिन इन एजेंसियों की रिपोर्टों से पहले देश को यह सोचना होगा कि बार-बार हो रही ऐसी दुर्घटनाओं से सीख कब ली जाएगी?

जरूरत है कि उड़ानों के तकनीकी निरीक्षण को पारदर्शी बनाया जाए, हवाई मार्गों की दोबारा समीक्षा हो, और संवेदनशील इलाकों - जैसे हॉस्टल, स्कूल, अस्पताल - के ऊपर से विमानों की उड़ानों पर पुनर्विचार किया जाए। साथ ही, पीड़ित परिवारों को केवल मुआवज़ा नहीं, बल्कि न्याय भी दिया जाए।

यह हादसा हमें यह याद दिलाता है कि एक चूक कितनी ज़िंदगियाँ निगल सकती है। डॉक्टर बनने का सपना देखने वाली छात्राएं अब हमारे बीच नहीं हैं। और अगर अब भी सुधार नहीं हुआ, तो अगली बार कीमत और भी ज़्यादा हो सकती है।

- काजी मखदूम

शिवसेना ने राज्य अल्पसंख्यक विभाग के कार्याध्यक्ष पद पर समीऱ काज़ी नियुक्त,

शिंदे ग्रुप कि ताक़त में इज़ाफ़ा।

बीड़ (प्रतिनिधि): महाराष्ट्र राज्य बक्फ बोर्ड के सदस्य, युवा समाजसेवी समीऱ काज़ी को शिवसेना ने एक बड़ी ज़िम्मेदारी सौंपी है। समीऱ काज़ी को शिवसेना के राज्य अल्पसंख्यक विभाग के मराठवाड़ा विभाग का कार्याध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा की गई है।

एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में काम कर रही शिवसेना महाराष्ट्र में अल्पसंख्यकों के बीच पकड़ मजबूत करने की दिशा में सक्रिय है। समीऱ काज़ी की नियुक्ति से मराठवाड़ा में शिवसेना को एक सशक्त मुस्लिम चेहरा मिला है।

समीऱ काज़ी लंबे समय से सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत हैं। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, युवाओं और जरूरतमंदों के लिए कई उल्लेखनीय काम किए हैं। साथ ही बक्फ बोर्ड सदस्य के रूप में भी उन्होंने कई अहम फैसलों में भागीदारी निभाई है।

समीऱ काज़ी की नियुक्ति पर शिवसेना कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी की लहर है। मराठवाड़ा क्षेत्र में उनकी लोकप्रियता और कार्यों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। उनकी नियुक्ति से पार्टी को न केवल मुस्लिम समुदाय में मजबूती मिलेगी बल्कि मराठवाड़ा के अन्य जिलों में भी पार्टी का जनाधार बढ़ेगा।

तकिया मस्जिद के सामने पुलिया का काम शुरू

बारिश में लोगों की हालत देखकर मोईन मास्टर, फारुख पटेल, अशफाक इनामदार, बरकत पठान मौके पर पहुंचे

बीड संवाददाता

कारंजा अज़ीज़ पुरा खासबाग, आज मार्केट की ओर जाने वाला रास्ता रहेगा बंद

बीड (प्रतिनिधि) : शहर का खास बाग क्षेत्र बारिश में हर साल जलजमाव और रास्ते के बहाव से परेशान रहता है। तकिया मस्जिद के सामने स्थित पुलिया बारिश में टूटने की स्थिति में पहुंच गई थी, जिससे लोगों की आवाजाही में भारी दिक्कतें हो रही थीं।

पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश से पुलिया का हिस्सा बह गया था, और लोग जान जोखिम में डालकर ही रास्ता पार कर रहे थे। इस स्थिति को देखते हुए तुरंत निर्णय लेकर कायद मोईन मास्टर, फारुख पटेल, अशफाक इनामदार, बरकत पठान एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मौके पर जाकर कार्य शुरू करवा दिया।

पुलिया की मरम्मत का काम युद्धस्तर पर शुरू हो चुका है, जिसमें मटेरियल मंगाकर काम दिन-रात किया जा रहा है। इस दौरान कारंजा अज़ीज़ पुरा से खासबाग की ओर जाने वाला रास्ता आज पूरी तरह बंद रहेगा।

इस मामले में

नगर परिषद नहीं दे रही ध्यान

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि हर साल बारिश में इसी तरह की समस्या आती है लेकिन नगर परिषद समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाती। इस बार भी अगर सामाजिक कार्यकर्ता सामने न आते तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी।

इस बीच, मार्ग पर आवाजाही रोक दी गई है और यह रास्ता आज बाजार तक बंद रहेगा। नागरिकों से अपील की गई है कि मरम्मत कार्य में सहयोग ताकि जल्द से जल्द रास्ता चालू हो सके।

अहमदनगर के गोहा गांव में मुस्लिम समुदाय के सामाजिक और आर्थिक बहिष्कार पर गहरी चिंता

५२० दिनों से जारी सत्याग्रह, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और दरगाह-मंदिर विवाद के बीच स्थिति गंभीर

मुंबई, १२ जून (यूएनआई)

अहमदनगर जिले का गोहा गांव, जो कभी हिन्दू-मुस्लिम भाईचारे की मिसाल माना जाता था, अब गहरे सांप्रदायिक तनाव का शिकार बन गया है। गांव में कट्टरपंथी हिंदुत्ववादी तत्वों ने मुस्लिम समुदाय का सामाजिक और आर्थिक बहिष्कार घोषित कर दिया है। इस स्थिति पर 'हम भारत के लोग' संगठन के पदाधिकारियों ने हाल ही में गांव का दौरा किया और चिंताजनक हालात की रिपोर्ट दी।

मुंबई में मौलाना मोईन मियाँ की अध्यक्षता में आयोजित एक बैठक में इस विषय पर विस्तृत चर्चा हुई, जिसमें सामाजिक कार्यकर्ता तुषार गांधी, अलाउद्दीन शेख, इस्माइल शेख, मेधा कुलकर्णी, फ़िरोज़ मठीबोरवाला, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री आरिफ नसीम खान तथा एम.ए. खालिद शामिल हुए। इस मौके पर एक प्रतिनिधिमंडल ने गोहा गांव जाकर पीड़ितों से मुलाकात भी की।

दरगाह बनाम मंदिर विवाद बना विभाजन की जड़

स्थानीय लोगों से बातचीत में यह बात सामने आई कि गांव में हिंदू-मुस्लिम संबंध हमेशा सौहार्दपूर्ण रहे हैं और दोनों समुदाय एक परिवार की तरह रहते आए हैं। लेकिन अब 'दरगाह बनाम मंदिर' विवाद के चलते हालात पूरी तरह से बदल चुके हैं। गांव की ऐतिहासिक कनुबा रमज़ान शाह बाबा की दरगाह - जो कि सूफी और नाथ परंपराओं का प्रतीक रही है - पर अब हिंदुत्व संगठनों द्वारा दावा किया जा रहा है कि यह कनिफनाथ मंदिर है।

इस दरगाह का उल्लेख १८५४ के अंग्रेजी गजेट में भी मिलता है, और अब मुस्लिम समुदाय ने इसे महाराष्ट्र वक्फ बोर्ड के तहत पंजीकृत करवाने का निर्णय लिया है। लेकिन २०१० और २०१५ में दो छोटी दरगाहों को मंदिरों में बदलने के बाद अब मुख्य दरगाह में मूर्ति स्थापना को लेकर विवाद बढ़ गया है। दिसंबर २०२३ में तनाव चरम पर पहुंच गया जब 'जन आक्रोश मोर्चा' के सदस्यों ने दरगाह के अंदर कनिफनाथ की मूर्ति स्थापित कर दी।

४०० मुस्लिमों पर आर्थिक-सामाजिक बहिष्कार, जुर्माने की धमकी

गांव की कुल आबादी लगभग ४००० है, जिसमें करीब ४०० मुस्लिम रहते हैं। उन पर अब पूर्ण सामाजिक और आर्थिक बहिष्कार लागू कर दिया गया है। किसी भी मुसलमान को खेत में काम करने, पेड़ से पत्ते तोड़ने या सामाजिक आयोजनों में भाग लेने की अनुमति नहीं है। नियम तोड़ने पर २५०० का जुर्माना लगाया जाता है। इससे मजबूर होकर १२०-१४० मुस्लिम परिवारों में से १० परिवार पहले ही गांव छोड़ चुके हैं।

अलाउद्दीन शेख के अनुसार, विवाद का एक और पहलू जमीन का है - दरगाह और उससे सटी मस्जिद के आसपास करीब ४० एकड़ भूमि विवाद का केंद्र बनी हुई है। अब वहां अवैध रूप से आरती होती है, अत्यधिक ध्वनि के साथ लाउडस्पीकर बजते हैं, और मुस्लिमों को उनकी ही ज़मीन पर जाने से रोका जाता है।

५२० दिनों से जारी है मुस्लिम समुदाय का सत्याग्रह मुस्लिम समुदाय, एक दलित संगठन के सहयोग से, पिछले ५२० दिनों से तहसीलदार कार्यालय के बाहर शांतिपूर्ण सत्याग्रह कर रहा है। उन्होंने दस्तावेजी सबूत जमा किए हैं और कानूनी लड़ाई भी शुरू की है, लेकिन अब उन्हें सामाजिक सहयोग की सख्त आवश्यकता है। इसीलिए गोहा गांव शांति और एकता समिति का गठन किया गया है, जो समाज के प्रगतिशील वर्ग और राजनीतिक दलों से सक्रिय भूमिका निभाने की अपील कर रही है।

सांप्रदायिक विभाजन को रोकना ही सबसे बड़ी चुनौती

रिपोर्ट में कहा गया है कि मंदिर और दरगाह विवाद का समाधान अदालतों में हो सकता है, लेकिन सबसे बड़ा संकट यह है कि दोनों समुदायों के बीच जो सामाजिक संबंध थे, वे पूरी तरह टूट चुके हैं। स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे अब एक-दूसरे से बात नहीं करते। पारिवारिक आयोजनों में कोई निमंत्रण नहीं जाता। यह स्थिति भारतीय संविधान की मूल भावना - समानता, बंधुत्व और न्याय - का घोर उल्लंघन है।

समाज को चाहिए हस्तक्षेप और संवैधानिक कार्रवाई

संगठन ने मांग की है कि इस सामाजिक बहिष्कार को महाराष्ट्र सामाजिक बहिष्कार प्रतिबंध कानून २०१६ (चरहरीरिहींर झॊींशल-ींळेपे ष झशेश्रिश षीा डेलळरश्र इूर्लेीीं -र्ली) के तहत कानूनी चुनौती दी जाए, जो भारत के संविधान के अनुच्छेद २१ - जीवन के अधिकार - का भी उल्लंघन है।

अब समय आ गया है कि प्रगतिशील ताकतें, नागरिक समाज और सभी संवेदनशील भारतीय मिलकर इस सामाजिक अन्याय के विरुद्ध खड़े हों और गांव में फिर से भाईचारे और एकता की भावना को पुनः स्थापित करें।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

मोदी और फडणवीस अधर्मी, जनता से किए वादे भूल गए-हरशवर्धन सपकाल

गडचिरोली में कांग्रेस का 'किसान न्याय पदयात्रा' और 'मशाल रैली', फडणवीस पर लगाया खनिज लूट का आरोप

गडचिरोली/मुंबई, प्रतिनिधि विशेष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले ११ वर्षों से देश की बागडोर संभाल रहे हैं, लेकिन इन वर्षों में जनता से किए गए एक भी वादे को उन्होंने पूरा नहीं किया। बीजेपी नेता केवल वादे करते हैं, उन पर अमल नहीं करते। खुद को 'फकीर' बताने वाले नरेंद्र मोदी महंगे जैकेट और आलीशान चीजों का उपयोग करते हैं। वह योगी नहीं बल्कि 'सत्ता-भोगी' हैं, जो जनता की समस्याओं से मुंह मोड़ रहे हैं। यह तीखा आरोप महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हरशवर्धन सपकाल ने गडचिरोली में आयोजित 'किसान न्याय पदयात्रा' और 'मशाल रैली' के दौरान लगाया।

हरशवर्धन सपकाल ने कहा कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के दौरान मतों की चोरी हुई है और इसकी स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। कांग्रेस ने इस मुद्दे को उजागर करने और जनजागरण के लिए राज्यव्यापी मशाल रैलियों का आयोजन शुरू किया है, जिसकी शुरुआत गडचिरोली से की गई। इस रैली में कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार, सांसद नामदेव करसाण, प्रतिभा धानोरकर, एआईसीसी सचिव कुनाल चौधरी, पूर्व मंत्री अनीस अहमद, विधायक अभिजीत वंजारी समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल थे।

गडचिरोली के संसाधनों को लूटने आए हैं फडणवीस

हरशवर्धन सपकाल ने पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे बार-बार गडचिरोली आते हैं, लेकिन यहां के विकास या समस्याओं के समाधान के लिए नहीं, बल्कि सूरजगढ़ की खदानों से लाभ उठाने के लिए आते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि स्टील सिटी के नाम पर किसानों, आदिवासियों और मजदूरों की ज़मीनें छीनी

जा रही हैं, और गडचिरोली को 'फडणवीसस्थान' में बदलने की साजिश रची जा रही है।

उन्होंने यह भी दावा किया कि स्थानीय विरोध को दबाने के लिए छात्रावासों में रहने वाले छात्रों से जबरन लिखवाया जा रहा है कि वे किसी भी आंदोलन में शामिल नहीं होंगे। यदि कोई खबर मीडिया में आती है, तो छात्रों पर कार्रवाई की जाती है।

मुंबई जैसा ही षड्यंत्र गडचिरोली में भी

सपकाल ने कहा कि गडचिरोली में वही हो रहा है जो कभी मुंबई में हुआ था। मुंबई कभी मराठी मजदूरों और मिल कर्मचारियों की पहचान थी, लेकिन आज वहां मराठी मानुस गायब होता जा रहा है। ठीक उसी तरह गडचिरोली में भी स्थानीय संस्कृति, भाषा और रोजगार पर हमला हो रहा है। सूरजगढ़ की खदानें पर्यावरण को प्रदूषित करेंगी, स्थानीय लोगों को विस्थापित किया जाएगा और बाहरी लोग यहां बसाए जाएंगे – यह खतरा अब नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

तीन भाइयों की चोरी वाली सरकार: वडेट्टीवार

कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने भी बीजेपी-शिवसेना गठबंधन सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह सरकार तीन भाइयों की चोरी पर आधारित है, जो महाराष्ट्र को लूट रही है। किसान आत्महत्या कर रहे हैं, कागज़ों में कर्ज़माफी दिखाई जाती है लेकिन ज़मीन पर सच्चाई अलग है। अगर सरकार के पास किसानों को देने के लिए पैसा नहीं था, तो झूठे वादे क्यों किए गए?

उन्होंने कहा कि 'लाडकी बहन' योजना में भी जनता को धोखा दिया गया। पहले २१०० रुपये देने का वादा किया, फिर १५०० और अब केवल ५०० रुपये ही दिए जा रहे हैं – वह भी अब बंद करने की तैयारी चल रही है। इस सरकार ने न केवल किसानों को, बल्कि महिलाओं को भी धोखा दिया है।

अहमदाबाद विमान हादसे के कारण कांग्रेस की रैलियां १५ जून तक स्थगित

गौरतलब है कि अहमदाबाद विमान हादसे की गंभीरता को देखते हुए कांग्रेस ने राज्य भर में चल रही मशाल रैलियों को १५ जून तक के लिए स्थगित कर दिया है।

फडणवीस-राज ठाकरे की गुप्त बैठक से ठाकरे बंधुओं के विलय की चर्चाओं को ब्रेक!

– रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई से

मुंबई:

राज्य की राजनीति में बीते कुछ सप्ताहों से इस चर्चा ने जोर पकड़ा था कि आगामी मुंबई महानगरपालिका और अन्य स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनज़र उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे १९ साल बाद एकजुट हो सकते हैं। लेकिन गुरुवार को इस संभावना को बड़ा झटका तब लगा, जब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राज ठाकरे के बीच मुंबई के ताज लैंड्स एंड होटल में अचानक एक घंटे

लंबी बैठक हुई।

सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में आगामी चुनावों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। विश्वसनीय सूत्रों का दावा है कि फडणवीस ने राज ठाकरे को महायुती में सीधा शामिल होने, अप्रत्यक्ष समर्थन देने, या विधानसभा की तर्ज़ पर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने-इन तीन विकल्पों की पेशकश की है। ऐसे में ठाकरे बंधुओं के एकजुट होने की बजाय अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या राज ठाकरे 'देवा' भाई का साथ देंगे?

राज ठाकरे सुबह ९:५० बजे होटल पहुंचे, जबकि मुख्यमंत्री फडणवीस का काफिला १०:३५ बजे पहुंचा। दोनों नेता होटल के कमरा नंबर २१०१ में बंद दरवाजों के पीछे ११:३५ बजे तक बातचीत में लगे रहे। दिलचस्प बात यह है कि पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान भी इन्हीं दोनों नेताओं की यही बैठक इसी रूम नंबर में हुई थी, जिसके बाद राज ने महायुती के प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार सभाएं की थीं।

राजनीतिक समीकरणों में नया मोड़

राज ठाकरे ने १९ साल पहले शिवसेना से अलग होकर मनसे की स्थापना की थी। तब से लेकर अब तक भले ही पारिवारिक आयोजनों में दोनों भाई साथ दिखे हों, मगर राजनीतिक तौर पर उनके रास्ते हमेशा अलग रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनावों में उद्धव ठाकरे गुट को महज २० सीटें मिली थीं, जबकि मनसे खाता तक नहीं खोल सकी थी।

ऐसे में आगामी बीएमसी चुनावों को लेकर दोनों के एक साथ आने की चर्चा तेज़ थी। खुद राज ठाकरे ने एक साक्षात्कार में कहा था कि मराठी मानूस और महाराष्ट्र के हित में मैं एक कदम पीछे हटने को भी तैयार हूं। वहीं उद्धव ठाकरे ने भी गठबंधन पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी। उनके समर्थकों ने भी दोनों के साथ आने की उम्मीद जताते हुए पोस्टर लगाए थे।

लेकिन फडणवीस और राज की इस मुलाकात ने पूरे परिदृश्य को बदल डाला है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मुख्यमंत्री का मास्टर स्ट्रोक है।

महायुती को होने वाले संभावित नुकसान की रोकथाम?

राज और उद्धव के एक साथ आने से मुंबई, पुणे, नासिक, ठाणे और कल्याण-डोंबिवली जैसे महानगरपालिकाओं में महायुती को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। यही वजह है कि देवेंद्र फडणवीस ने समय रहते रणनीतिक कदम उठाते हुए राज ठाकरे से सीधे मुलाकात कर यह नुकसान टालने की कोशिश की है।

मनसे नेताओं की भी गुप्त मीटिंग

राज-फडणवीस बैठक के बाद दोपहर में मनसे नेता संदीप देशपांडे और अमोल खोपकर ने शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता और उद्योग मंत्री उदय सामंत के बंगले पर जाकर उनसे आधे घंटे तक बंद कमरे में चर्चा की। इसके बाद यह संभावना और मजबूत हो गई है कि मनसे आगामी स्थानीय चुनावों में महायुती के साथ मिलकर मैदान में उतर सकती है।

बर्थडे पर पोस्टर व सियासी संकेत

१३ जून को आदित्य ठाकरे और १४ जून को राज ठाकरे का जन्मदिन है। इस अवसर पर ठाकरे गुट की ओर से जगह-जगह बैनर लगाए गए हैं, जिनमें आदित्य को बधाई के साथ राज ठाकरे की तस्वीर भी है। इससे पहले तक यह संकेत माना जा रहा था कि युति होकर ही रहेगी। मगर फडणवीस की इस अचानक चाल ने इस चर्चाओं को फिलहाल ब्रेक पर डाल दिया है।

उद्धव गुट की सावधानी

फडणवीस-राज मुलाकात पर उद्धव ठाकरे गुट ने सावधानीपूर्वक प्रतिक्रिया दी है। विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने कहा, यह मुलाकात व्यक्तिगत कारणों से भी हो सकती है, अतः इस पर फिलहाल कोई निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा।

निष्कर्ष राज ठाकरे की अगली स्पष्ट भूमिका क्या होगी? क्या वो उद्धव के साथ जाएंगे या भाजपा की महायुती में फिर से सक्रिय होंगे-इस पर पूरे राज्य की राजनीतिक निगाहें टिकी हैं।

अहमदाबाद विमान हादसा: उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने जताया गहरा शोक, पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त

भविष्य में ऐसे हादसों से बचाव के लिए एयरलाइनों को अपनाने होंगे और कड़े सुरक्षा मानक

मुंबई, प्रतिनिधि विशेष

अहमदाबाद हवाई अड्डे से लंदन के लिए उड़ान भरने वाला एयर इंडिया का एक यात्री विमान बुधवार को उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद शहर की रिहायशी इमारतों पर गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें कई यात्री और स्थानीय नागरिकों की दुखद मृत्यु हो गई। इस हृदयविदारक हादसे पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे अत्यंत पीड़ादायक और झकझोर देने वाली त्रासदी बताया।

पूरा महाराष्ट्र शोकग्रस्त, हर नागरिक पीड़ित परिवारों के साथ – अजित पवार

अजित पवार, जो इस समय अकोला और बुलढाणा के सरकारी दौरे पर हैं, उन्होंने अपने सभी सार्वजनिक कार्यक्रम सादगी से आयोजित किए और हादसे में जान गंवाने वालों को विनम्र श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, यह हादसा केवल एक विमान दुर्घटना नहीं है, बल्कि हमारी संपूर्ण व्यवस्था के लिए एक गंभीर चेतावनी है कि विमान यात्रा के दौरान सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कितना आवश्यक है।

उन्होंने आगे कहा कि इतनी बड़ी संख्या में हुए जानमाल का नुकसान अपूरणीय है और अब समय आ गया है कि सरकार ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए त्वरित और ठोस कदम उठाए।

प्रारंभिक कारण तकनीकी गड़बड़ी या मानवीय चूक: पवार

हादसे की जानकारी साझा करते हुए उपमुख्यमंत्री पवार ने बताया कि विमान ने जैसे ही अहमदाबाद से उड़ान भरी, संभवतः तकनीकी खराबी या किसी अन्य वजह से नियंत्रण से बाहर हो गया और रिहायशी इमारतों पर जा गिरा, जिससे न केवल यात्रियों बल्कि जमीन पर मौजूद निर्दोष नागरिकों की भी जान चली गई। उन्होंने कहा कि यद्यपि हादसे की आधिकारिक जांच जारी है और सटीक कारण सामने आना अभी बाकी है, लेकिन प्रारंभिक संकेत मानवीय या तकनीकी चूक की ओर इशारा करते हैं।

अजित पवार ने उम्मीद जताई कि विस्तृत जांच के बाद वास्तविक कारण सामने आएंगे और उसके अनुरूप भविष्य के लिए ठोस नीतियां बनाई जाएंगी। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि अब ऐसे भयावह हादसों से बचने के लिए विमानन क्षेत्र में पहले से ही सुरक्षा उपायों को और मज़बूत करने की आवश्यकता है।प्रधानमंत्री के संज्ञान में मामला, गृह मंत्री अमित शाह को भेजा गया गुजरात

अजित पवार ने इस मौके पर केंद्र सरकार की तत्परता की सराहना करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हादसे को गंभीरता से लिया है और गुजरात के मुख्यमंत्री से पूरी जानकारी लेने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को तात्कालिक रूप से गुजरात भेजा गया है।

उन्होंने कहा कि यह हादसा भारत के विमानन क्षेत्र की सुरक्षा प्रणाली की पुनः समीक्षा और सख्त निगरानी की आवश्यकता को दर्शाता है। उन्होंने सभी विमान कंपनियों से आग्रह किया कि वे अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करें और अपने सुरक्षा तंत्र की नियमित समीक्षा एवं परीक्षण करें ताकि भविष्य में ऐसे त्रासद घटनाओं को रोका जा सके।

सिंचाई और पंप स्टोरेज जलविद्युत परियोजनाओं को तय समयसीमा में पूर्ण करें: मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, १२ जून । विशेष प्रतिनिधि

राज्य के विकास को गति देने के उद्देश्य से सिंचाई और उदंचन (पंप स्टोरेज) जलविद्युत परियोजनाओं को तय समयसीमा में तेजी से पूरा किया जाए, ऐसे निर्देश मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दिए हैं।

मुख्यमंत्री फडणवीस की अध्यक्षता में सह्याद्री अतिथिगृह, मुंबई में जलसंपदा विभाग की विभिन्न परियोजनाओं को दी गई प्रशासनिक तथा संशोधित प्रशासनिक मंजूरियों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। साथ ही राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित पंप स्टोरेज नीति के तहत हुए समझौता ज्ञापनों (चेणी) की प्रगति पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर जलसंपदा मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल और मंत्री गिरीश महाजन भी उपस्थित रहे।

बैठक में बताया गया कि राज्य में सिंचाई क्षमता बढ़ाने के लिए कुल ३८१ सिंचाई परियोजनाओं को प्रशासनिक मंजूरी दी गई है, जिनसे ३० लाख ६८ हजार ६७३ हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र निर्मित होगा। वहीं, ४५ उदंचन जलविद्युत परियोजनाओं के माध्यम से ६२,१२५ मेगावॉट बिजली उत्पादन और ९६,१९० रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि राज्य के सिंचाई प्रकल्प कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने वाले हैं। इन परियोजनाओं से सिंचाई क्षेत्र में बढ़ोतरी होगी और राज्य के किसानों का जीवन अधिक सुखद होगा। पिछले दो वर्षों में सरकार ने १८५ सिंचाई परियोजनाओं को प्रशासनिक और संशोधित मंजूरी दी है, जिससे २६ लाख ६५ हजार ९०९ हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षेत्र विकसित होगा। इसके अलावा, विशेष मरम्मत हेतु १९६ कार्यों को मंजूरी दी गई है, जिससे ४ लाख २ हजार ७६४ हेक्टेयर भूमि सिंचाई के दायरे में आएगी।

बैठक में पंप स्टोरेज नीति के अंतर्गत हुए समझौता ज्ञापनों की समीक्षा की गई। अब तक निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की १५ कंपनियों के साथ कुल ३ लाख ४१ हजार ७२१ करोड़ रुपये के २४ चेण किए गए हैं, जिससे राज्य में ६२,१२५ मेगावॉट विद्युत उत्पादन और ९६,१९० रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

इस बैठक में जलसंपदा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कपूर ने विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति और उनसे सृजित सिंचित क्षेत्र की जानकारी प्रस्तुति के माध्यम से दी।

बैठक में मुख्यमंत्री सचिवालय के अपर मुख्य सचिव विकास खारगे, प्रधान सचिव अश्विनी भिडे, सचिव डॉ. श्रीकर परदेशी और विदर्भ, तापी, कोकण, गोदावरी तथा कृष्णा नदी घाटी विकास महामंडल के कार्यकारी संचालक सहित जलसंपदा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अहमदाबाद-लंदन विमान हादसा: मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जताया गहरा शोक

महाराष्ट्र की जनता शोक में सहभागी, सभी सहायता एजेंसियों को तत्पर रहने के निर्देश

मुंबई, १२ जून । मुख्यमंत्री सचिवालय (जनसंपर्क कक्ष)

अहमदाबाद से लंदन जा रहे विमान के भयावह हादसे को अत्यंत हृदयविदारक और पीड़ादायक बताते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मृतकों और उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दुर्घटना में कई लोगों ने अपने परिवार के कमाने वाले और प्रियजन खो दिए हैं, जो शब्दों से परे और हृदय को झकझोर देने वाला आघात है। इस दुःख की घड़ी में महाराष्ट्र की संपूर्ण जनता पीड़ित परिवारों के साथ है और हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वह उन्हें इस पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करे। अपने शोक संदेश में मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, अहमदाबाद-लंदन विमान की यह उड़ान कई लोगों के लिए अंतिम बन गई। यह दुर्घटना रिहायशी क्षेत्र में हुई, जिससे इसकी भयावहता और बढ़ गई है। इस हादसे ने पूरे देश को शोक में डुबो दिया है। विमान में सवार यात्रियों, क्रू मेंबर्स और प्रभावित इलाकों के नागरिकों के परिजनों का दुख असीमित है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी इस घटना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल संबंधित एजेंसियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

महाराष्ट्र सरकार गुजरात प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि इस कठिन समय में महाराष्ट्र सरकार और राज्य की तमाम एजेंसियां गुजरात शासन एवं प्रशासन के साथ मजबूती से खड़ी हैं। इस आपदा के समय दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र, प्रभावित यात्रियों और घायलों की सहायता के लिए जो भी अभियान चलाए जा रहे हैं, उनमें महाराष्ट्र की ओर से सक्रिय सहभागिता दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि हादसे में घायल व्यक्तियों को उत्तम उपचार मिल सके, और पीड़ित परिवारों को हर आवश्यक सहायता पहुंचाई जा सके – इसके लिए सभी संबंधित विभागों को निर्देश जारी किए गए हैं। परिवहन, चिकित्सा और अन्य आवश्यक सेवाओं की तत्परता सुनिश्चित करने को कहा गया हे.

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com